GEOGRAPHY FIELD STUDY REPORT

Title -*A Comprehensive Geographical Appraisal of Khajurahat Village*

Field Report

Submitted to

Department of Geography, Shri Vinayak P.G. College

For the Partial fulfilment of Degree of Masters in Geography

[Session: 2023 to 2025]

Under the Supervision / Guidance of

Shri Vishnu Jaiswal & Shri Dhruv Sharma

(Head of Department of Geography)

Shri Vinayak P. G. College , Khajurahat

By

MOHD SUHAIL

(Enrolment No -)

SHRI VINAYAK P. G. COLLEGE

KHAJURAHAT AYODHYA

FIELD REPORT CERTIFICATE FROM SUPERVISOR/ GUIDE TO WHOM IT MAY CONCERN

This is to certify that the filed report entitled .... for the field study survey report of Post Graduate Geography (M.A.3RD SEM) (Field Report/Field Oriented Dissertation Report), submitted to **Shri Vinayak P. G. College, Khajurahat** in the academic session .....for the partial fulfilment of the requirement for the award of the degree of **M.A. in Geography.** The present field work was done by ..... (Name of the student), Enrolment Number....., Roll Number.....during..... (Date and duration of field work) in.....(Place of field work) from and prepared the Field Report/Field Oriented Dissertation Report under my guidance. As the field report is submitted to **Shri Vinayak P. G. College, Khajurahat** and the matter embodied in this report is a genuine work done by the student under my supervision and he/she has not been allow to submit this report to any other University/ Institute for the fulfilment of the requirement of any course of study.

Signature of the Student

Name

Date

Signature of the Supervisor

Name:

Designation:

Place:

Date

PREFACE

यह अध्ययन रिपोर्ट एम॰ ए॰ भूगोल के तीसरे सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के तहत किए गए क्षेत्रीय सर्वेक्षण का परिणाम है। भूगोल एक ऐसा विषय है जिसमें पर्यावरण को समझने के लिए व्यवहारिक अध्ययन की आवश्यकता होती है, और क्षेत्रीय अध्ययन इस पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस गांव को चुनने का महत्वपूर्ण कारण यह था कि यह हमारे पाठ्यक्रम के दायरे में आता है और यह हमें सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक दुनिया की स्थितियों पर लागू करने का एक बेहतरीन अवसर प्रदान करता है।

ख्वजुराहट गॉव, जो कि बीकापुर ब्लॉक, अयोध्या (पूर्व में फैजाबाद) जिले में स्थित है, हमारे लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि हमारा विद्यालय इसी गॉव में स्थित है। इसके अलावा, यह गॉव हमारे विद्यालय के एन॰ एस॰ एस॰ कैम्प एंव विभिन्न अवसरों पर जन जागरूकता कार्यक्रम का महत्वपूर्ण स्थल भी है, और हमारी यहॉ के प्रति एक व्यक्तिगत पहचान और संबंध है, जो हमें इस गांव के सामाजिक - आर्थिक स्थितियों का गहराई से अध्ययन करने के लिए प्रेरित करता है। इस निकटता के कारण हमें यहां के निवासियों से सीधे संवाद करने और उनका अनुभव जानने का अवसर मिला, जिससे हम उनके जीवन की समस्याओं को समझ सके।

इसके अतिरिक्त, उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति भूगोल के छात्रों के लिए एक दिलचस्प विषय है। इस गॉव को चुनकर हमने यह उद्देश्य रखा कि हम यहां की साक्षरता दर, रोजगार, बुनियादी ढांचा, और स्वास्थ जैसे मुद्दों का अध्ययन करें, जो ग्रामीण क्षेत्रों में

आमतौर पर सामने आते हैं। इस गाँव से हमारे व्यक्तिगत संबंध और अध्ययन की सामर्थ्यता ने हमें इस सर्वेक्षण को करने के लिए प्रेरित किया।

इस अध्ययन के दौरान, हमारा उद्देश्य केवल डेटा एकत्र करना नहीं था, बल्कि गाँव की समस्याओं और उनके संभावित समाधानों पर भी ध्यान केन्द्रित करना था। क्षेत्रीय सर्वेक्षण ने हमें भूगोल को एक सामाजिक आर्थिक विश्लेषण के उपकरण के रूप में समझने में मदद की, और यह हमारे लिए एक ज्ञानवर्धक और समृद्ध अनुभव रहा। हमें आशा है कि इस अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष गांव के विकास और सुधार के लिए उपयोगी जानकारी प्रदान कर सकते हैं।

आभार (Acknowledgement)

मैं अपनी इस अध्ययन रिपोर्ट को सफलतापूर्वक पूरा करने में योगदान देने वाले सभी व्यक्तियों का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। यह परियोजना/सर्वेक्षण न केवल एक शैक्षिक प्रयास था, बल्कि एक अमूल्य अनुभव भी था जिसने मुझे भौगोलिक एवं सामाजिक अवधारणाओं के वास्तविक जीवन में उपयोग को समझने का अवसर प्रदान किया।

सबसे पहले, मैं **डॉ० प्रदीप शर्मा**, श्री विनायक महाविद्यालय के प्राचार्य का आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने इस क्षेत्रीय अध्ययन का अवसर प्रदान किया और पाठ्यक्रम के दौरान निरंतर समर्थन और प्रेरणा दी।

मैं भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष श्री विष्णु जायसवाल एवं श्री ध्रुव शर्मा को विशेष रूप से धन्यवाद देना चाहता हूँ, जिन्होंने हमें मार्गदर्शन, प्रोत्साहन और महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उनके विशेषज्ञ मार्गदर्शन और धैर्य ने अध्ययन क्षेत्र को समझने और सर्वेक्षण के दौरान अपनाए गए तरीकों को समझने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इसके अलावा, मैं अपने सहपाठियों का आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने इस अध्ययन समूह का हिस्सा बनकर इसे सफल बनाने में सहयोग किया। हम सभी मिलकर सर्वेक्षण करने, गांववासियों से बातचीत करने और डेटा का एकत्रण एवं विश्लेषण करने के लिए एकजुट हुए। समूह के सामूहिक प्रयास ने इस परियोजना को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मैं विशेष रूप से खजुराहट गाँव के निवासियों का आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने हमें अपनी समस्याओं और सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों के बारे में खुलकर बातचीत करने का अवसर दिया। उनकी मदद से हमें गाँव की असल समस्याओं का पता चला और हम अपने अध्ययन में सफलता प्राप्त कर सके।

अंत में, मैं उन सभी का धन्यवाद करता हूँ जिन्होंने इस क्षेत्रीय अध्ययन में मेरी मदद की, जिसमें कालेज के प्रशासनिक कर्मचारी और अन्य शिक्षक भी शामिल हैं। उनके सहयोग के बिना यह अध्ययन संभव नहीं हो पाता।

यह क्षेत्रीय अध्ययन मेरे लिए एक समृद्ध अनुभव रहा और मैं उन सभी का आभारी हूँ जिन्होंने इसे सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

Map of Khajurahat

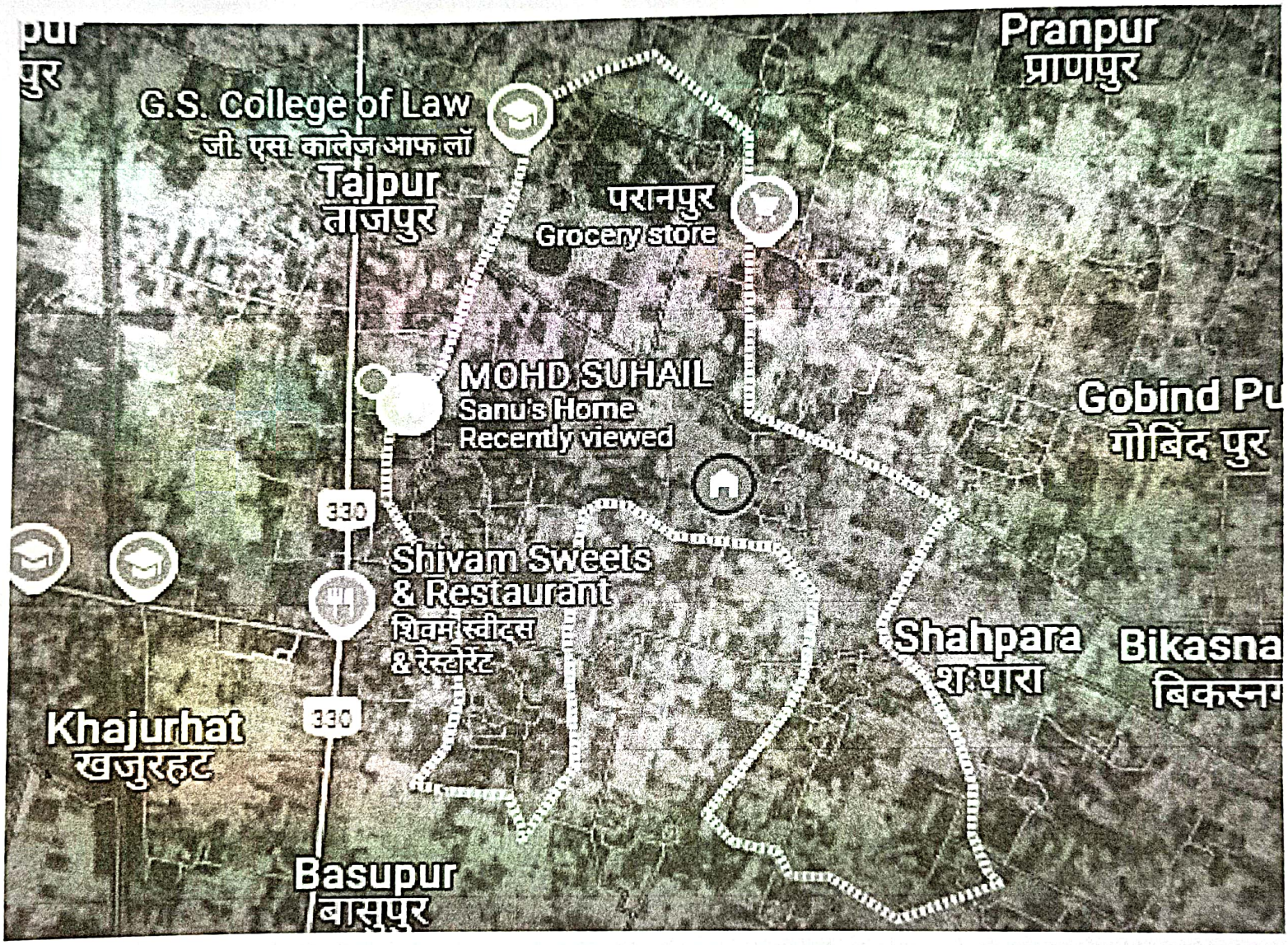

CHARTS AND GRAPHS : INSIGHTS AT A GLANCE

Land Use Distribution in Khajurahat

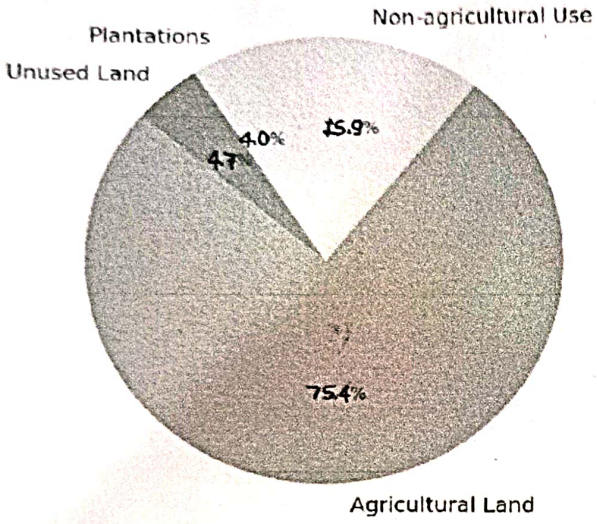

Irrigated vs Non-Irrigated Land

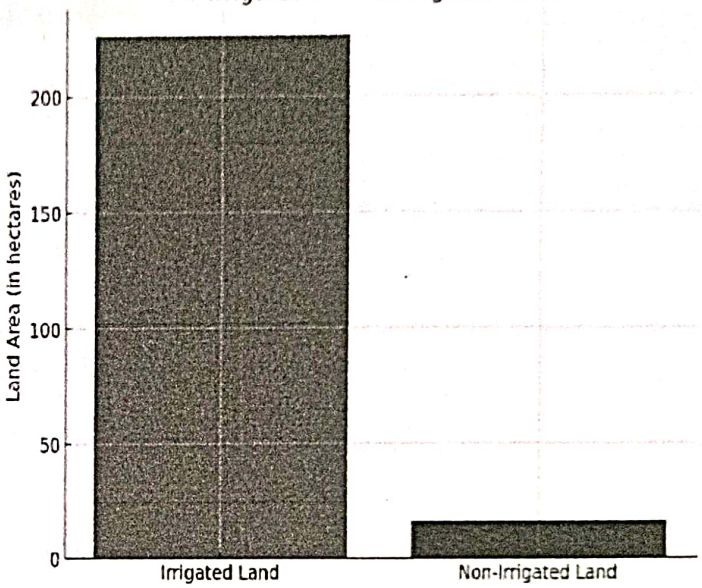

Child Population (0-6 Years)

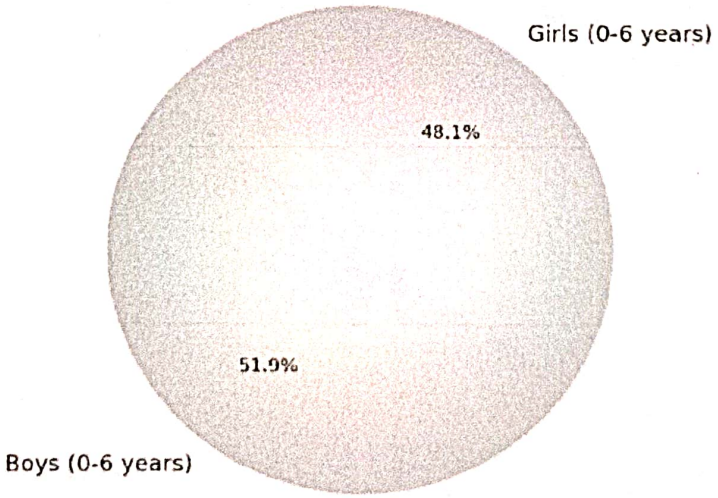

CHARTS AND GRAPHS : INSIGHTS AT A GLANCE

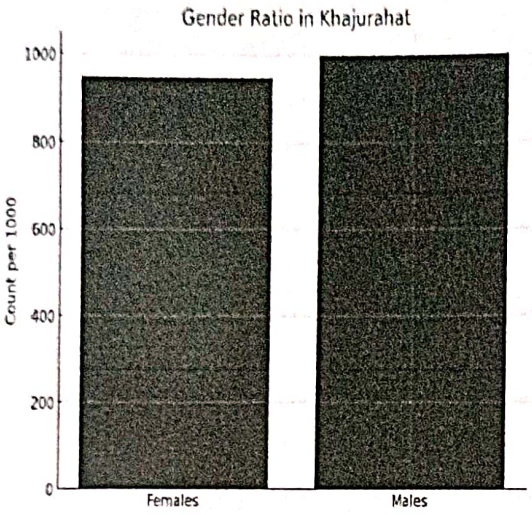

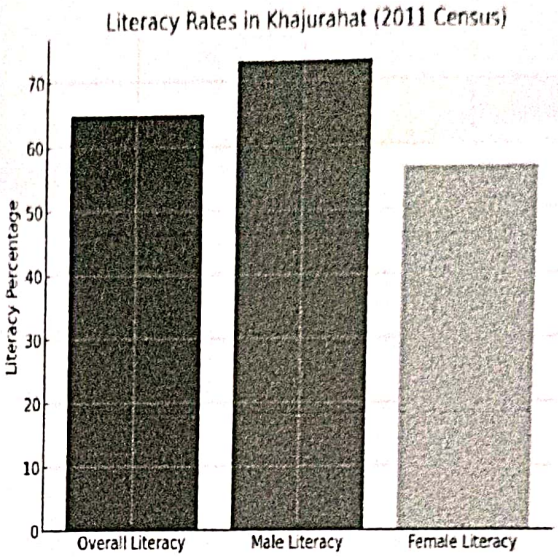

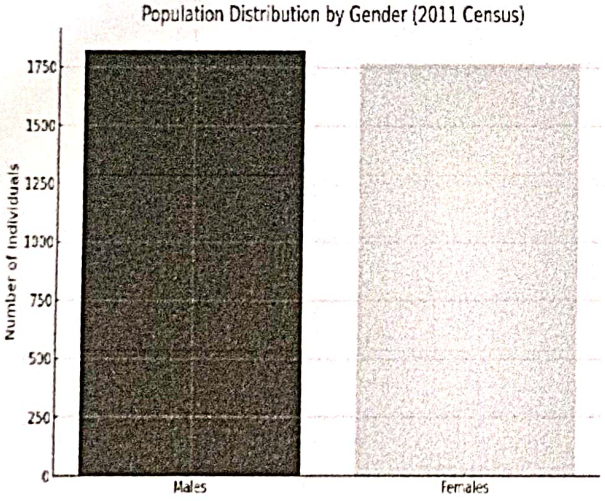

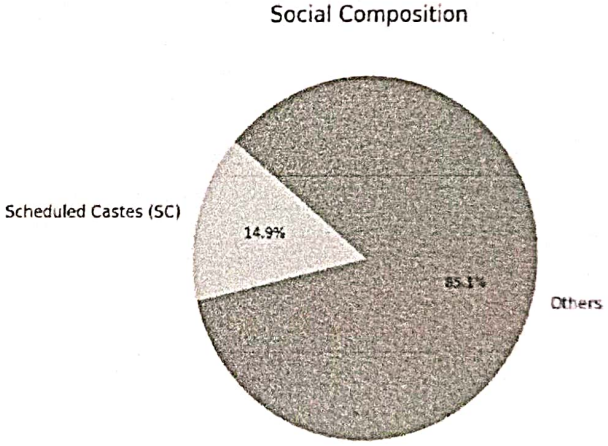

ग्राम सचिवालय (R.G.S.A)
ग्रा॰पं॰-खजुरहट वि॰खं॰-बीकापुर जनपद-अयोध्या
शकुन्तला सोनी
ग्राम प्रधान

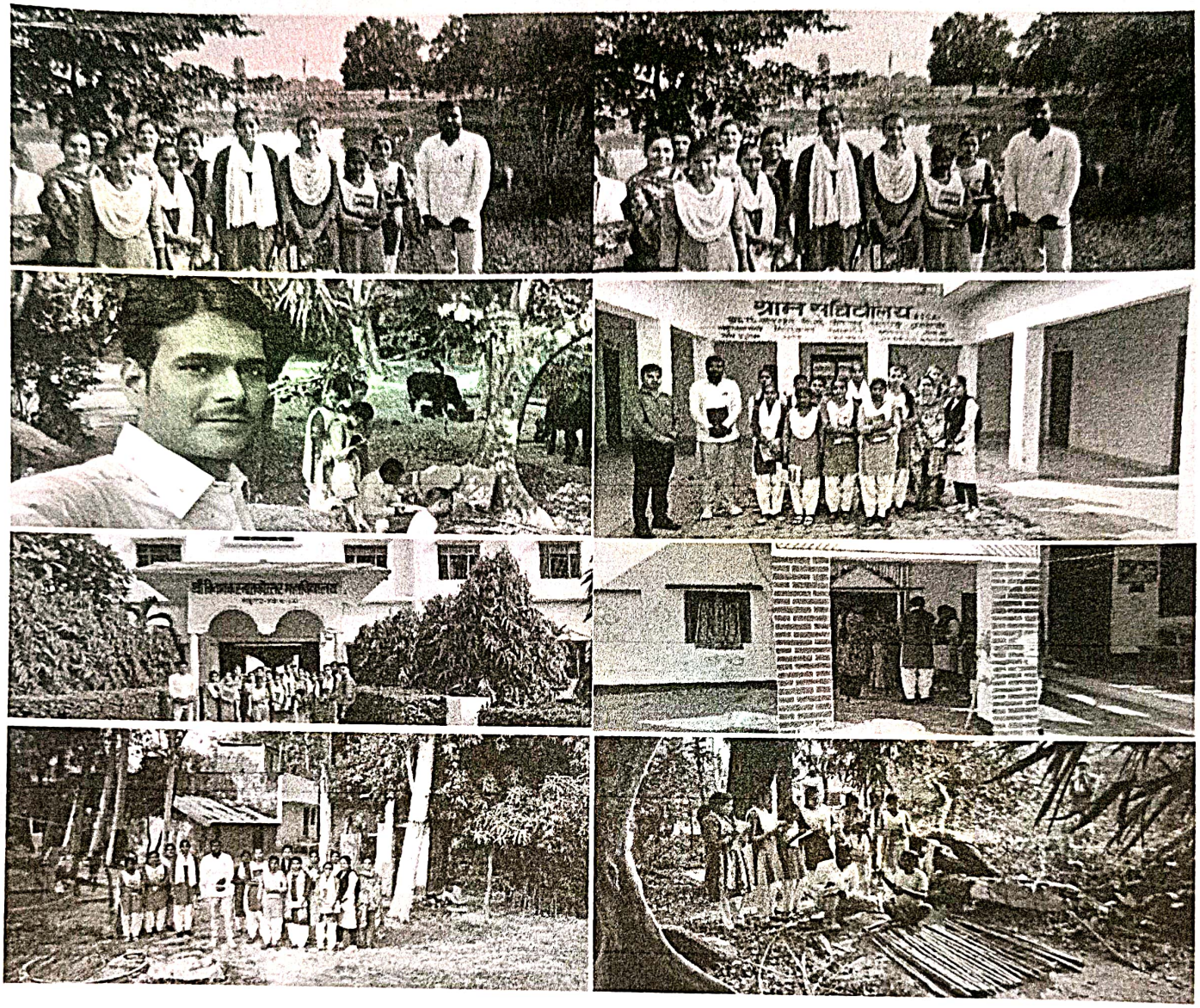

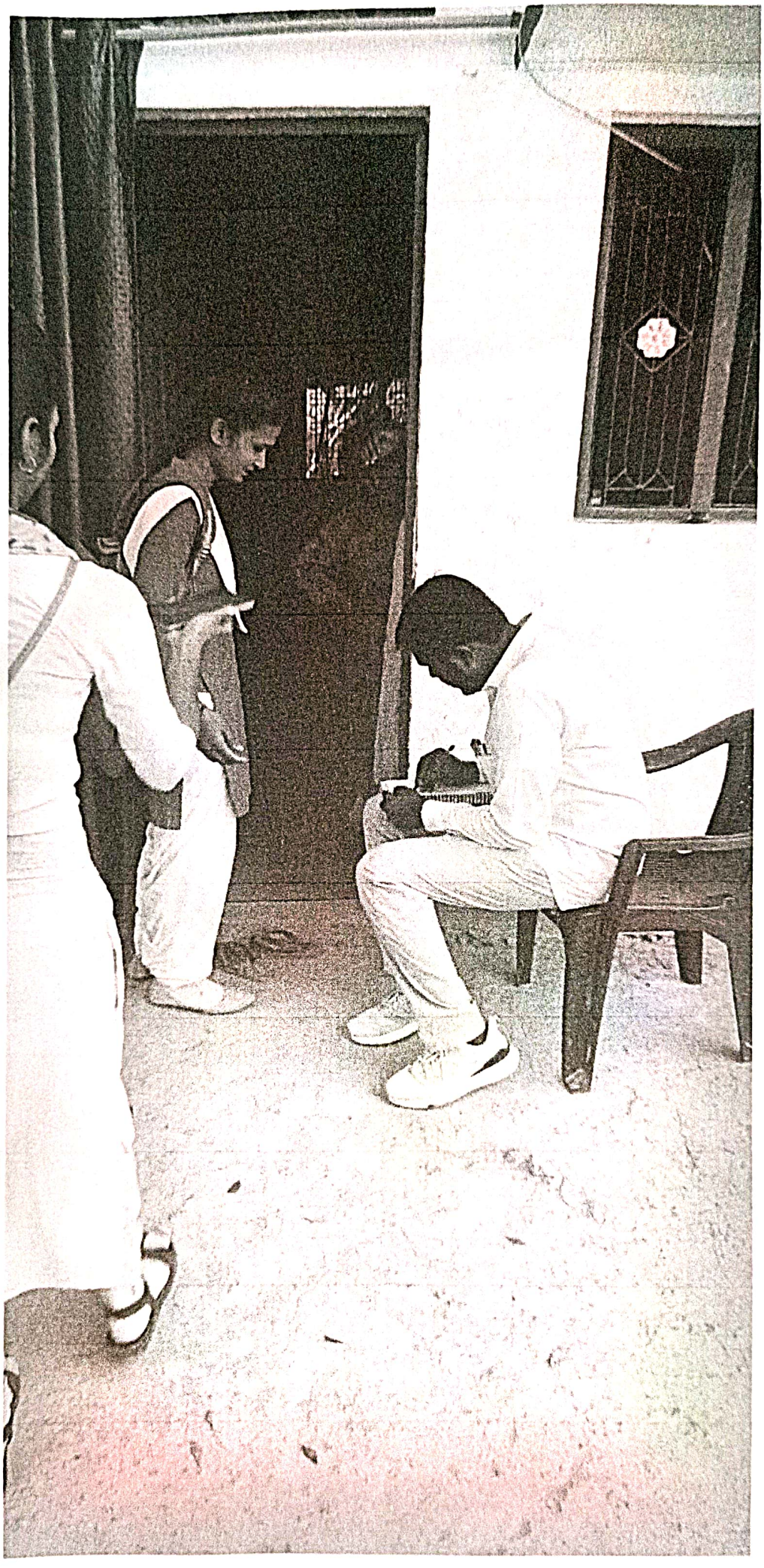

अध्याय - 1 : प्रस्तावना एवं परिचय

1. परिचय

मनुराहट एक ग्रामीण गाँव है जो उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले के बीकापुर ब्लॉक में स्थित है। यह गाँव भौगोलिक और सामाजिक अध्ययन के लिए दिलचस्प विषय है, क्योंकि यह जिले के मुख्यालय के पास स्थित है और इसमें ग्रामीण-शहरी मिश्रण की विशेषताएँ हैं। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य इस गाँव की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों का समझना है, जो भौगोलिक, आर्थिक और सामाजिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है।

इस अध्ययन में हम मुख्य रूप से गाँव की जनसांख्यिकी, बुनियादी ढाँचा, शिक्षा, रोजगार, कृषि कार्य और सामाजिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। इस रिपोर्ट में उपयोग किए गए आँकड़े मुख्य रूप से 2011 की जनगणना, एवं विभिन्न मंत्रालयों की रिपोर्ट से प्राप्त किए गए हैं, जिन्हे हमारे द्वारा गाँव के सर्वेक्षण के दौरान किए गए सीधे अवलोकन, राशन की दुकान एवं जिला एवं ब्लॉक स्तरीय सरकारी वेबसाइटों से पूरित किया गया है। यह अध्याय अध्ययन क्षेत्र का परिचय देता है और इसके भौगोलिक और सामाजिक-आर्थिक डेटा प्रदान करता है, जो शोध का आधार है।

2. अध्ययन क्षेत्र

स्थान एवं सीमाएँ :

मनुराहट गाँव फैजाबाद जिले (अयोध्या अब) के बीकापुर ब्लॉक में स्थित है। यह गाँव जिले से 26 किमी० एवं बीकापुर से 7 किमी० की दूरी पर है। जिले एवं ब्लॉक के पास इसकी अवस्थिति इसे भौगोलिक अध्ययन के लिए एक आदर्श स्थल बनाता है।

खजुराहट के अक्षांश और देशांतर निर्देशांक लगभग इस प्रकार हैं –

- अक्षांश - 26.9312° North
- देशांतर - 81.9883° East

यह गाँव कई अन्य गाँवों से घिरा हुआ है, जो इसके भौतिक और सामाजिक ढाँचे को प्रभावित करते हैं:

- उत्तर - गंडई
- दक्षिण - रामनगर, भदेसर
- पूर्व - ~~मिल्कीपुर~~ भवनाथपुर, शहपारा
- पश्चिम - ताजपुर, तिवारीपुर, मज्जरुद्दीनपुर

ये पड़ोसी गाँव समान बुनियादी ढाँचे और आर्थिक सुविधाओं को साझा करते हैं, लेकिन कृषि प्रथाओं और स्थानीय प्रशासन में कुछ अंतर हैं। अयोध्या के नजदीक होने के कारण खजुराहट गाँव में शहरी प्रभाव भी देखा जाता है, जबकि इसका ग्रामीण स्वरूप अभी भी बरकरार है।

3. अध्ययन क्षेत्र की समस्यायें

अयोध्या मुख्यालय के नजदीक होने के बावजूद, खजुराहट गाँव को कई सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जो इसके समग्र विकास में रुकावट डालते हैं। -

1. बेरोजगारी: गाँव की जनसंख्या का एक बड़ा तबका कृषि पर निर्भर है, जो मौसमी है। वैकल्पिक रोजगार के अवसरों का अभाव बेरोजगारी और अर्द्ध-बेरोजगारी की समस्या को जन्म देता है।

2. शिक्षा - खजुराहट में साक्षरता दर कम है, विद्यालयों में उचित बुनियादी ढाँचा और प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी है। इससे बच्चों के शिक्षा-स्तर में गिरावट आती है, विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के परिवारों के बच्चों के लिए।

3. स्वास्थ्य और स्वच्छता - गाँव में पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव है, और गाँववाले इलाज के लिए पास के शहर में जाते हैं। स्वच्छता और कचरा निस्तारण प्रणाली भी अपर्याप्त है, जिसके विभिन्न रोग फैलते हैं।

4-बुनियादी ढाँचा - अच्छी सड़कों एवं पानी की आपूर्ति में कमी है जिससे दैनिक जीवन प्रभावित होता है। उचित जल निकास प्रणाली का अभाव पानी भराव की समस्या को जन्म देता है।

5-कृषि संबंधी समस्याएँ - जबकि कृषि गाँव का मुख्य व्यवसाय है, किसानों को पुरानी कृषि विधियों, असमान जलापूर्ति, नीलगाय एवं बंदरों द्वारा फसलों का नष्ट किया जाना तथा आधुनिक मशीनों एवं बाजारों तक आसानी से पहुँच में कमी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

4. अध्ययन का उद्देश्य

इस अध्ययन का उद्देश्य खजुराहट गाँव के सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण को करना है, जिसमें निम्नलिखित उद्देश्यों पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा:

1- गाँव की सामाजिक-आर्थिक प्रोफाइल का मूल्यांकन करना, जिसमें जनसंख्या विशेषताएँ, साक्षरता दर और रोजगार पैटर्न शामिल हैं।

2- गाँववाले जिन प्रमुख समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढाँचा और कृषि, उनका विश्लेषण करना।

3- सरकारी योजनाओं और हस्तक्षेपों का मूल्यांकन करना जो सामाजिक-आर्थिक समस्याओं के समाधान के लिए लागू किए गए हैं।

4- अध्ययन के निष्कर्षों के आधार पर गाँव की जीवन स्थितियों में सुधार के लिए सिफारिशें प्रदान करना।

5. अध्ययन की सीमा

इस अध्ययन की कुछ सीमाएँ हैं जो निम्नलिखित हैं:

1- समयसीमा - समय की कमी के कारण, गाँव के प्रत्येक घर से डेटा एकत्रित करना संभव नहीं था। सर्वेक्षण नमूना आकार में किया गया था, और सभी सामाजिक वर्गों का प्रतिनिधित्व नहीं किया गया।

2- प्राथमिक डेटा की उपलब्धता - गाँववासियों से सीधे बातचीत करने में कुछ कठिनाई आई, जिससे कुछ विशिष्ट जानकारी प्राप्त करने में कठिनाई हुई।

3. भौगोलिक पहुंच - गाँवों के कुछ दूरस्थ हिस्सों तक पहुँचने में कठिनाई, जिससे हम सभी क्षेत्रों से व्यापक डेटा एकत्र नहीं कर पाए।

4 - नवीनतम आँकड़ों की अनुपलब्धता - सर्वेक्षण का एक महत्वपूर्ण भाग 2011 के सेंसस के आकड़ों पर आधारित है

5 - द्वितीयक आँकड़ों पर निर्भरता - सरकारी रिपोर्ट एवं सरकारी आकड़ों का उपयोग किया गया है जोकि पूर्ण रूप से वास्तविक हो जरूरी नहीं है।

यह अध्याय खजुराहट गाँव के भौगोलिक और सामाजिक - आर्थिक पहलुओं का एक सामान्य अवलोकन प्रस्तुत करता है, जिसमें इसकी सीमाएँ, भौतिक विशेषताएँ और 2011 की जनगणना से प्राप्त डेटा भी शामिल है। आगामी अध्यायों में इन आंकड़ों का और अधिक विश्लेषण किया जाएगा और गाँव की समस्याओं और समाधान पर चर्चा की जाएगी।

अध्याय - II : साहित्य समीक्षा (Literature Review)

साहित्य समीक्षा किसी भी अनुसंधान अध्ययन का महत्वपूर्ण भाग होता है। यह अध्ययन के लिए सैद्धांतिक और व्यवहारिक आधार प्रदान करता है। अनुसूचित गाँव पर प्रत्यक्ष साहित्य या रिपोर्ट उपलब्ध नहीं होने के कारण, इस अध्याय में ग्रामीण समाज, आर्थिक समस्याओं और विकास से संबंधित सामान्य साहित्य पर चर्चा की गई है। साथ ही सरकारी योजनाओं और नीतियों को शामिल किया गया है जो ग्रामीण विकास में सहायक हैं।

1. ग्रामीण सामाजिक-आर्थिक अध्ययन पर सामान्य साहित्य :

ग्रामीण भारत का विकास और समस्याएँ अनेक विद्वानों और संस्थाओं द्वारा अध्ययन का विषय रही हैं। निम्नलिखित बिन्दुओं पर मुख्य शोध कार्य किए गए हैं:

- शिक्षा और स्वास्थ्य - ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा एवं स्वास्थ सेवाओं की पहुंच पर ध्यान केन्द्रित किया गया है। विशेष रूप से ग्रामीण बच्चों की शिक्षा दर और मातृ एवं शिशु स्वास्थ संबंधी समस्याएँ।
- आजीविका और रोजगार - महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (MGNREGA) जैसे कार्यक्रमों का प्रभाव।
- ग्रामीण विकास और गरीबी उन्मूलन - योजनाएँ जैसे प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना और स्वच्छ भारत मिशन।

2. सैद्धांतिक पृष्ठभूमि :

ग्रामीण विकास और संरचना को समझने के लिए कुछ प्रमुख सिद्धांत उपयोगी हैं:

- सेंट्रल प्लेस थ्योरी - वाल्टर क्रिस्टलर द्वारा प्रस्तुत यह सिद्धांत गांव और शहरी क्षेत्रों के बीच संबंध को समझने में सहायक है।

- निर्भरता सिद्धांत - ग्रामीण क्षेत्रों की शहरी क्षेत्रों पर निर्भरता और उनके विकास में आने वाली बाधाएँ।
- मानव विकास सूचकांक - शिक्षा, स्वास्थ और आय के आधार पर ग्रामीण विकास का आकलन।

3. सरकारी नीतियाँ और योजनाएँ :

भारत सरकार और उ० प्र० सरकार ने ग्रामीण विकास के लिए कई योजनाएँ चलाई हैं। इनमें से कुछ हैं -

- मिशन अंत्योदय - ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक - आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए।
- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना - किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान करना।
- स्वच्छ भारत मिशन - ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता और स्वास्थ सुधार

4. संबंधित अध्ययन और केस स्टडीज :

हालाँकि खजुराहट गाँव पर कोई प्रत्यक्ष अध्ययन उपलब्ध नहीं है, लेकिन उत्तर प्रदेश के अन्य गाँवों पर किए गए अध्ययन ग्रामीण समस्याओं और समाधान को समझने में मददगार हैं। उदाहरण के लिए -

- ग्रामीण शिक्षा पर किए गए अध्ययन।
- पंचायत स्तर पर योजनाओं के कार्यान्वयन का प्रभाव।
- आय के प्रमुख स्त्रोत और ग्रामीण श्रमिकों की स्थिति।

5. रिसर्च गैप्स (Research Gaps) :

खजुराहट गाँव जैसे छोटे और गाँवों विशेष पर किए गए अनुसंधान की कमी है। यह अध्ययन इस कमी को पूरा करने का प्रयास करता है। यह न केवल ग्रामीण समस्याओं को उजागर करता है, बल्कि विकास के लिए सुझाव भी देता है।

निष्कर्ष -

इस अध्ययन के माध्यम से, ग्रामीण विकास और समस्याओं से संबंधित विद्यमान सैद्धांतिक और व्यवहारिक जानकारी को एकत्र किया गया है। खजुराहट गाँव पर यह शोध इस विषय में नये आयाम को जोड़ने का प्रयास करेगा।

अध्याय-III : कार्य-विधि (Methodology)

किसी भी अध्ययन की सफलता उसकी पद्धति पर निर्भर करती है। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य खजुराहट गाँव की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का विश्लेषण करना, उनकी समस्याओं को समझना और संभावित समाधान सुझाना था। इस अध्याय में अध्ययन के लिए अपनाई गई कार्य-विधियों का वर्णन किया गया है।

डेटा संग्रह का तरीका (Methods of Data Collection):

हमने डेटा संग्रह के लिए निम्नलिखित पद्धतियाँ अपनाई-

(i) क्षेत्रीय भ्रमण (field Visit):

हमारी टीम ने खजुराहट गाँव का दौरा किया और वहाँ के निवासियों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की। इस प्रक्रिया में हमने गाँव के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक मुद्दों को समझने का प्रयास किया।

(ii) साक्षात्कार (Interviews):

गाँव के निवासियों के साथ आमने-सामने साक्षात्कार आयोजित किए गए।

- हमने कुछ निवासियों से सकारात्मक और सहयोगात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त की, जिन्होंने हमें महत्वपूर्ण जानकारी दी।
- कुछ निवासियों ने सहयोग नहीं किया और आवश्यक डेटा प्रदान करने में रुचि नहीं दिखाई।

(iii) अवलोकन (Observation):

हमने गाँव की संरचना, सुविधाएँ, और समस्याओं का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। इसमें उनके रहन-सहन, कामकाज

शिक्षा और अन्य पहलुओं को शामिल किया गया।

(iv) सरकारी रिपोर्ट और योजनाएँ (Secondary Data)
हमने सरकार द्वारा जारी योजनाओं और रिपोर्ट का उपयोग किया, जैसे कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना और सेंसस-2011 के आकड़े।

डेटा प्रसंस्करण और प्रस्तुतीकरण (Data Processing and Presentation)
संग्रहित डेटा को बेहतर ढ़ग से विश्लेषण करने और प्रस्तुत करने के लिए निम्नलिखित प्राक्रिया अपनाई गई:

1. डेटा का वर्गीकरण (Categorization)
   - डेटा को थीम के आधार पर वर्गीकृत किया गया, जैसे कि सामाजिक समस्याएँ, आर्थिक मुद्दे, बुनियादी सुविधाएँ एंव स्थानीय राजनीति।

2. प्रसंस्करण उपकरण (Processing Tools)
   - डेटा का विश्लेषण करते समय सांख्यिकीय तकनीकों का उपयोग किया गया।
   - डिजिटल टूल्स का उपयोग करके संख्यात्मक डेटा को व्यवस्थित रूप से टेबल, चार्ट और ग्राफ के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

3. प्रस्तुतीकरण के तरीके (Presentation Methods)
   - ग्राफ और चार्ट - सामाजिक संरचना एंव जनसंख्या संबंधी आकडों को इसके माध्यम से दर्शाया गया है।
   - थीमैटिक्स मैप्स, तस्वीरे एंव दस्तावेजीकरण - भूमि उपयोग, जल निकासी आदि के लिए थीमैटिक्स मैप व फील्ड विजिट के दौरान खीची गई तस्वीरे अध्ययन के विश्लेषण की पुष्टि करेंगे।

यह प्राक्रिया सुनिश्चित करती है कि डेटा का सटीक विश्लेषण हो।

डेटा विश्लेषण (Data Analysis):

संग्रीहित डेटा का विश्लेषण निम्नलिखित प्रकार से किया गया है –

(i) सामाजिक समस्याए (Social Issues):

- लिंग आधारित समस्याएँ -
  - लड़कियों की ड्रॉपआउट दर लड़को की तुलना में अधिक पाई गई।
  - शहर से बाहर लड़कियों को पढ़ने के लिए भेजने पर पाबन्दी पाई गई एंव उच्च कौशल युक्त कोर्सो/कार्यो में महिलाओं का नामांकन अनुपात निम्न।
  - निम्न एंव मध्यम आय वाले परिवारों में महिलाओं का कृषि कार्यो में पुरुषों के साथ समान रूप से योगदान था।

- स्थानीय राजनीति एंव विवाद
- कुछ निवासियों ने बताया कि गॉव में छोटे स्तर की राजनीतिक समस्याएँ है।
- पडोसियो के बीच व्यक्तिगत विवाद भी एक सामान्य समस्या है।
- ग्राम प्रधान द्वारा तटस्थता के साथ कार्य ना किये जाने की भी बाते सामने आयी।
- एक सीमा तक जातिवादिता अभी भी विद्यमान है।

(ii). आर्थिक समस्याएँ (Economic Issues):

- रोजगार -
  - गाँव में शिक्षित युवाओं की संख्या अधिक है लेकिन रोजगार के अवसर सीमित हैं।
  - कई स्नातक और स्नातकोत्तर बेरोजगार हैं या असंगठित क्षेत्र में कार्यरत हैं।
- मौसमी बेरोजगारी (Seasonal Unemployment) -
  - मुख्य रूप से कृषि पर निर्भरता के कारण, ग्रामीणों की फसल कटाई के बाद बेरोजगारी का सामना करना पड़ता है।
  - बहुत से लोग बढ़ई, राजमिस्त्री, मैकेनिक, दर्जी, शिक्षक ड्राइवर जैसे कार्य करते हैं।

(iii). बुनियादी सुविधाओं की स्थिति (Basic Infrastructure)

- शिक्षा और कौशल
  - गाँव में 2 प्राथमिक विद्यालय (सरकारी) हैं जिसमें से एक वर्तमान समय में मॉडल पब्लिक स्कूल के रूप में विद्यमान है, एक सरकारी इण्टर कालेज भी है जहाँ 6ष्ठ से 12ष्ठ तक अध्ययन कार्य होता है। इसके अलावा कई प्राइवेट पब्लिक स्कूल एवं इण्टर कालेज हैं।
  - हाइअर (उच्च) शिक्षा संबंधी विद्यालय भी उपस्थित है परन्तु गाँव में एक भी इंजीनियरिंग कालेज, कौशल विकास संबंधी I.T.I. या पालिटेक्निक कालेज का अभाव है।
  - गाँव में एक सार्वजनिक पुस्तकालय है लेकिन वह कार्यशील स्थिति में नहीं है।

- खेल सुविधाएँ:
  - गाँव में कोई बड़ा खेल का मैदान नहीं है हालांकि सरकारी अखाड़ा में उपस्थित है।
  - गाँव में एक सार्वजनिक जिम (Gym) पार्क स्थित है।
- जल निकास प्रणाली
  - गाँव में जल निकासी की व्यवस्था मध्यम स्तर की है।

(iv). प्रवासन (Migration)
- गाँव के कई पुरुष रोजगार के लिए अन्य राज्यों एवं शहरों में प्रवास करते हैं।
- शैक्षिक उद्देश्यों से भी लोग अन्य शहरों में प्रवास करते हैं।

(v) स्थानीय व्यापार
- कुछ ग्रामीणों के पास छोटे व्यवसाय हैं।

प्रमुख निष्कर्ष (Key Findings):
डेटा संग्रह एवं विश्लेषण के बाद निम्नलिखित निष्कर्ष सामने आए-
- गाँव में ड्रॉपआउट दर लड़कियों में अधिक है।
- बेरोजगारी एवं मौसमी बेरोजगारी प्रमुख समस्याएँ हैं।
- कौशल विकास और तकनीक शिक्षा की कमी है।
- खेल के लिए बुनियादी सुविधाओं का अभाव है।
- जल निकास प्रणाली अपर्याप्त है।
- स्थानीय राजनीति और पड़ोसी विवाद सामाजिक विकास में बाधा डालते हैं।

अध्याय - IV : प्रमुख अवलोकन
(Major Observations)

इस अध्याय में खजुराहट गॉव के अध्ययन के दौरान प्राप्त प्रमुख निष्कर्षों को संक्षेप में प्रस्तुत किया गया है। यह अध्याय सामाजिक, आर्थिक, पर्यावरणीय और बुनियादी ढॉचे के पहलुओं पर आधारित है।

प्रमुख अवलोकन

(i) जनसांख्यिकीय अवलोकन

1. गॉव की जनसंख्या मुख्यत: युवा है जिसमें 60% लोग 18-45 वर्ष की आयु वर्ग में आते हैं।
2. लिंग अनुपात 920 महिलाएँ प्रति 1000 पुरूष है जो राज्य के औसत से कम है।
3. साक्षरता दर लगभग 68% है जिसमें पुरूष साक्षरता महिलाओं की तुलना में ~22% अधिक है।
4. महिलाओं की शिक्षा में रूचि बढ़ रही है लेकिन संसाधनों की कमी के कारण यह सीमित है।
5. गॉव की कुल जनसंख्या 3591 है जिसमें 1821 पुरूष (50.71%) एंव 1770 महिलाए (49.29%) है।
6. गाव में अनुसूचित जाति के लोगों की जनसंख्या 534 है जोकि कुल जनसंख्या का 14.87% है।

(ii) सामाजिक अवलोकन

1. लड़कियों की ड्रॉपआउट दर अधिक पाई गई, जो कम उम्र में विवाह एवं आर्थिक कठिनाईयों के कारण है।
2. ग्रामीण समाज में जाति आधारित असमानताएँ अभी भी देखी जाती है।

(iii) आर्थिक अवलोकन

1. ग्रामीणों का मुख्य व्यवसाय कृषि है, लेकिन फसल कटाई के बाद बेरोजगारी का सामना करना पड़ता है।
2. लगभग 45% युवा रोजगार के लिए शहरों की ओर पलायन करते है।
3. औसत घरेलू आय ₹ 8000 – 12000 प्रति माह है, जो शहरी क्षेत्रों से काफी कम है।

(iv) बुनियादी ढाँचा और सेवाए

1. गाँव में प्राथमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय है। उच्चतर शिक्षा के लिए महाविद्यालय भी स्थिति है। हांलाकि कौशल विकास केन्द्रों की अनुपस्थिति शिक्षा में बाधा बन रही है।
2. प्राथमिक स्वास्थ केन्द्र एवं राजकीय आयुर्वेदिक केन्द्र स्थित है।
3. गाँव नेशनल हाइवे, स्टेट हाइवे इत्यादि से जुड़ा हुआ है।
4. गाँव में बिजली आपूर्ति नियमित है परन्तु जल निकास प्रणाली बेहतर अवस्था में नही है।

(v) पर्यावरणीय अवलोकन

1. खेती योग्य भूमि का क्षेत्रफल अधिक है, लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि उत्पादकता प्रभावित हो रही है।
2. गाँव में कूड़ा-कचरा प्रबंधन की उचित व्यवस्था नहीं है।
3. वृक्षारोपण की कमी और वनों की कटाई एक बड़ी समस्या है।
4. जल स्तर में गिरावट और पानी की गुणवत्ता में कमी पाई गई।

सारांश (Summary)

अध्ययन के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि खजुराहट गाँव में सामाजिक और आर्थिक समस्याएँ प्रमुख हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है। साथ ही पर्यावरणीय चिंताओं को हल करने के लिए स्थायी कदम उठाने की आवश्यकता है।

अध्याय - V : सिफारिशें एवं निष्कर्ष

यह अध्याय खजुसाहट गाँव में अध्ययन के आधार पर प्रस्तुत सिफारिशों और निष्कर्षों को समर्पित है। पिछले अध्याय में प्राप्त अवलोकनों के आधार पर, यह अध्याय गाँव के सतत विकास के लिए संभावित समाधान और सुझाव प्रस्तुत करता है।

सिफारिशें (Recommendations):

(i) शिक्षा के क्षेत्र में सुधार (Educational Reforms)

1- लड़कियों की शिक्षा पर जोर

- बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विशेष छात्रवृत्ति योजनाएँ लागू की जाएँ।
- ग्रामीण क्षेत्रों में महिला शिक्षकों की नियुक्ति की जाए
- STEM (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, मैडिकल) क्षेत्रों में महिलाओं को प्रोत्साहन दिया जाए।

2- स्कूल सुविधाओं में सुधार

- विद्यालयों में पर्याप्त बुनियादी ढाँचे जैसे शौचालय, खेल-मैदान और पुस्तकालय एवं कम्प्युटर लैब की व्यवस्था की जाए।
- कौशल विकास केन्द्र खोले जाएँ ताकि युवा व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त कर सकें।

(ii) स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार (Healthcare Improvements):

1- स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना

- गाँव में स्थित स्वास्थ्य केन्द्र की सेवाओं का विस्तार किया जाए

- ग्रामीण स्वास्थ्य स्वयंसेवकों की नियुक्ति कर स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चलाए जाएँ।

2. जल आपूर्ति और स्वच्छता
   - सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।
   - हर घर को टैप-वॉटर कनेक्शन से शीघ्र ही जोड़ा जाए।
   - गाँव में स्वच्छता अभियान चलाया जाए और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्था की जाए।

(iii). आर्थिक सुधार (Economic Development)

1- स्वरोजगार और रोजगार
   - स्वयं सहायता समूह और छोटे उद्योगों को बढ़ावा दिया जाए
   - कृषि के अलावा अन्य आजीविका विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाएँ।

2- कृषि सुधार
   - जैविक खेती और आधुनिक तकनीकों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाए।
   - सिंचाई प्रणाली को सुधारने के लिए सोलर वाटर पंप को प्रोत्साहन दिया जाए।

(iv) पर्यावरणीय संरक्षण (Environmental Conservation)

1- वृक्षारोपण अभियान
   - हरित क्षेत्र बढ़ाने के लिए सामुदायिक वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाए जाएँ।

2- जल संरक्षण
   - वर्षा जल संचयन (Rainwater Harvesting) की व्यवस्था की जाए।
   - जल स्तर बनाए रखने के लिए स्थानीय जल स्रोतों का संरक्षण।

3- कचरा प्रबंधन

- ग्रामीण स्तर पर कचरा निस्तारण और पुनर्चक्रण प्रणाली विकसित की जाए।

(V). बुनियादी ढाँचे का विकास (Infrastructure Development)

1. सड़क और परिवहन

- गाँव की सड़कें अति संकरी है आकस्मिक स्थिति में एम्बुलेंस या फायर डिपार्टमेंट की गाड़ियों को जाने में कठिनाई आ सकती है, अतः इसका चौड़ीकरण आवश्यक है।

2. बिजली आपूर्ति

- सौर ऊर्जा और अन्य अक्षय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग बढ़ाया जाए।

(vi). प्रशासनिक सुधार (Administrative Reforms)

1- सरकारी योजनाओं का प्रभावी कार्यान्वयन

- ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं और उनके लाभों के बारे में जागरूक किया जाए।
- पारदर्शी और उत्तरदायी प्रशासनिक ढाँचा तैयार किया जाए।

2- सामुदायिक सहभागिता -

- गाँव के विकास के लिए स्थानीय निवासियों को योजना निर्माण और कार्यान्वयन प्रक्रिया में शामिल किया जाए।

निष्कर्ष (Conclusion):

अनुराहट गाँव में सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय समस्याओं के समाधान के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है शिक्षा स्वास्थ्य और बुनियादी ढाँचे के क्षेत्रों में तत्काल ध्यान देने की

आवश्यकता है।

सरकार, स्थानीय प्रशासन, और ग्रामीण समुदाय के सामूहिक प्रयासों से गाँव का सतत विकास संभव है। इन सिफारिशों को अमल में लाकर गाँव को आत्मनिर्भर और प्रगतिशील पाया जा सकता है।

Bibliography (ग्रंथ सूची)

इस शोध रिपोर्ट को तैयार करने के लिए विभिन्न प्राथमिक और द्वितीयक स्त्रोतों का उपयोग किया गया है। उपयोग किये गये स्रोत निम्नलिखित हैं:

पुस्तकें (Books)

1. Census of India 2011. "Village and Town Directory."
2. Tiwari, S.P. (2018). Gramin Bharat ka Arthik Vikas. प्रभात प्रकाशन।

आलेख एवं पत्रिकाएँ (Articles and Journals)

1. Mehta, R (2019), "Socio-Economic Disparities in Rural India". Indian Journal of Rural Studies, Vol. 25, Issue 3 pp. 45-59।
2. Verma, S. (2020). "Land Use Patterns in Rural India: A Case Study." Journal of Geography and Development, Vol-30, Issue-2 pp. 67-78

रिपोर्ट्स (Reports)

1. ग्रामीण विकास मंत्रालय - (2021) - "Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act (MGNREGA): Impact Assessment Report 2020-21."
2. कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय - (2021) - "State of Indian Agriculture 2020-21."

वेबसाइट्स (Websites)

1. Census India (2023) - "Census 2011 : Data on Rural India." "https://www.censusindia.gov.in"
2. ग्रामीण विकास मंत्रालय (2023) - "Rural Development Schemes in India." "https://rural.nic.in"

द्वितीयक आंकड़े (secondary Data)

- कृषि क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन का प्रभाव - "कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग।"

प्राथमिक आकड़े (Primary Data)

1- खजुराहट गांव का क्षेत्रीय सर्वेक्षण - 2024 (By Mohd Suhail & team)

2- साक्षात्कार और प्रश्नावली से प्राप्त डेटा - खजुराहट गांव के निवासियों से बातचीत। (Conducted by Mohd Suhail & team)

अन्य स्त्रोत (Other Sources)

1- स्थानीय प्रशासनिक कार्यालयों से प्राप्त आंकड़े - (ये आंकड़े स्थानीय प्रशासन या पंचायत कार्यालयों से प्राप्त किए गए हैं।)

2- पंचायती राज संस्थानों की रिपोर्ट - (यह रिपोर्ट पंचायत स्तर पर लागू योजनाओं और विकास कार्यों पर आधारित है।)

Appendix I: Field Study Questionnaire Of Khajurahat

प्राथमिक जानकारी (Basic Information)

1. आपका नाम: विपिन यादव
2. आपकी उम्र: 26
3. लिंग: (पुरुष/महिला/अन्य) _____
4. जाति/समुदाय: पंडारी
5. शिक्षा स्तर:
    a. (i) अनपढ़
    b. (ii) प्राथमिक
    c. (iii) माध्यमिक
    d. (iv) उच्चतर ✓
    e. (v) स्नातक और ऊपर
6. परिवार के सदस्यों की संख्या: 9

आर्थिक स्थिति (Economic Status of Khajurahat)

7. आपकी आजीविका का मुख्य स्रोत क्या है?
    a. (i) कृषि
    b. (ii) मजदूरी
    c. (iii) सरकारी नौकरी
    d. (iv) निजी नौकरी
    e. (v) स्वरोजगार ✓
8. मासिक आय:
    a. (i) ₹0-5000 ✓
    b. (ii) ₹5001-10000
    c. (iii) ₹10001-20000
    d. (iv) ₹20001 और अधिक
9. क्या आपकी आय आपकी पारिवारिक जरूरतों को पूरा करती है? (हाँ/नहीं) ✓

शैक्षिक स्थिति (Educational Status in Khajurahat)

10. क्या गांव में प्राथमिक विद्यालय उपलब्ध है? (हाँ/नहीं) ✓

11. आपके परिवार के कितने सदस्य स्कूल या कॉलेज जाते हैं? 3

12. लड़कियों की शिक्षा के प्रति परिवार का दृष्टिकोण कैसा है?

- (i) सकारात्मक
- (ii) नकारात्मक
- (iii) सामान्य ✓

स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचा (Health and Infrastructure In Khjaurahat)

13. क्या आपके गांव में स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हैं?

- (i) प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ✓
- (ii) अस्पताल
- (iii) कोई नहीं

14. गांव में उपलब्ध पानी की गुणवत्ता कैसी है?

- (i) पीने योग्य ✓
- (ii) कम पीने योग्य
- (iii) अनुपयुक्त

15. गांव में सड़क और परिवहन सुविधाओं की स्थिति:

- (i) अच्छी ✓
- (ii) औसत
- (iii) खराब

कृषि और पर्यावरण (Agriculture and Environment in Khajurahat)

16. क्या आप अपनी जमीन पर खेती करते हैं? (हाँ/नहीं) ✓

17. आप मुख्य रूप से कौन-कौन सी फसलें उगाते हैं? धान, गेहूं, आलू, गन्ना

18. क्या आप आधुनिक कृषि उपकरणों का उपयोग करते हैं? (हाँ/नहीं) ✓

19. क्या आपके गांव में कोई पर्यावरणीय समस्या है?

- (i) जल संकट
- (ii) वायु प्रदूषण
- (iii) भूमि क्षरण ✓
- (iv) कोई नहीं

सामाजिक मुद्दे (Social Issues in Khjaurahat)

20. क्या गांव में किसी प्रकार का सामाजिक भेदभाव मौजूद है? (हाँ/नहीं)
21. क्या आप किसी सरकारी योजना का लाभ उठाते हैं? (हाँ/नहीं)

- यदि हाँ, तो योजना का नाम: गरीब कल्याण अन्य योजना, किसान सम्मान निधी

22. क्या महिलाओं की भागीदारी सामुदायिक निर्णयों में है? (हाँ/नहीं)
23. क्या आपको गांव में सुरक्षा से संबंधित कोई समस्या है? (हाँ/नहीं)

गांव का विकास (Village Development of Khajurahat)

24. गांव में सबसे जरूरी विकास कार्य कौन सा है?

- (i) शिक्षा ✓
- (ii) स्वास्थ्य
- (iii) सड़क
- (iv) अन्य

25. क्या पंचायत के द्वारा कोई विकास कार्य किया गया है? (हाँ/नहीं)

- यदि हाँ, तो विवरण दें: आवास, सड़के, नालीयाँ

आपका धन्यवाद! (Thank You!)

आपके द्वारा दी गई जानकारी हमारे अध्ययन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

यह जानकारी केवल शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए उपयोग की जाएगी और आपकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

इस प्रश्नावली को भरने के लिए अपना समय देने हेतु धन्यवाद।

संशोधक (Researcher): Mohd Suhail (Master's Student in Geography)